सोना ने ऑल टाइम में रचा इतिहास

सोने के दाम भी चढ़े, निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली, 26 दिसंबर. साल के आखिरी दिनों में सर्राफा बाजार में जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है. चांदी की कीमतों में लगातार उछाल जारी है और शुक्रवार को इसमें 13 हजार रुपये से ज्यादा की बड़ी तेजी दर्ज की गई. वहीं सोने के भाव में भी मजबूती देखने को मिली है.

बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता और सुरक्षित निवेश की मांग के चलते कीमती धातुओं की चमक और तेज हो गई है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 को चांदी (999 शुद्धता) की कीमत रुपए 232,100 प्रति किलो पर पहुंच गई, जो बुधवार 24 दिसंबर की तुलना में कै.13,117 ज्यादा है. इससे पहले 19 दिसंबर को चांदी का भाव कै.200,336 प्रति किलो था, एक हफ्ते में चांदी करीब 32 हजार रुपये महंगी हो चुकी है. सोने के दाम भी चढ़े- सोने की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

24 दिसंबर को 22 कैरेट सोने का भाव रुपए 125,150 प्रति 10 ग्राम था, जो शुक्रवार को बढ़कर कै.126,329 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया. यानी दो दिनों में सोना करीब कै.1,179 महंगा हुआ है. आज के ताजा रेट)-24 कैरेट सोना (999) कै.137,914 प्रति 10 ग्राम- कै.1,287 महंगा-23 कैरेट सोना (995) कै.137,362 प्रति 10 ग्राम- रुपए 1,282 महंगा- 22 कैरेट सोना (916) रुपए126,329 प्रति 10 ग्राम — 1,179 महंगा. 18 कैरेट सोना (750)- रुपए103,436 प्रति 10 ग्राम-कै. 966 महंगा. 14 कैरेट सोना (585) रुपए 80,680 प्रति 10 ग्राम - कै. 753 महंगा. चांदी (999)कै. 232,100 प्रति किलो- कै.13,117 महंगी. विशेषज्ञों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती, डॉलर में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव के चलते सोना-चांदी को सुरक्षित निवेश के तौर पर खरीदा जा रहा है.

> **सोने में तेजी के 3 बड़े कारण**- रिकॉर्ड महंगाई, वैश्विक अनिश्चितता और कमजोर डॉलर के बीच कीमती धातुओं की कीमतें नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा स्तरों पर निवेश करते समय जल्दबाजी नहीं, बल्कि रणनीति जरूरी है। डॉलर की कमजोरी- अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती से सोने की होल्डिंग सस्ती हुई. भू-राजनीतिक तनाव- रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक अस्थिरता- सेंट्रल बैंक खरीदारी- चीन सहित कई देशों ने 900 टन से ज्यादा सोना खरीदा.

एआई से सजे सपने- होम क्रेडिट इंडिया का नया साल कैंपेन लॉन्च

नई दिल्ली, 26 दिसंबर. अग्रणी कंज्यूमर फाइनेंस कंपनी, होम क्रेडिट इंडिया ने आज अपने पहले एआई आधारित कैंपेन #सपनों का नया साल को लॉन्च करने की घोषणा की है. यह कैंपेन उनके ब्रांड विचार #जिंदगी हिट! का ही एक विस्तार है. यह होम क्रेडिट इंडिया के लिए नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे के साथ मिलकर एक सिनेमैटिक फिल्म के रूप में विकसित किया गया है, जो बीते हुए साल की यादों को समेटते हुए आशाओं से भरे भविष्य का स्वागत करती है. यह फिल्म ब्रांड को एक टेक-फॉरवर्ड और भरोसेमंद साथी के रूप में पेश करती है, जो देश भर के ग्राहकों की विविध आकांक्षाओं को कभी भी और कहीं भी पूरा करने के लिए तैयार है.

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

356 अंक से फिसला सेंसेक्स

99 अंक से गिरा निफ्टी

मुंबई, 26 दिसंबर. रुपये में जारी नरमी से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली हावी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 356.24 अंक (0.42 प्रतिशत) टूटकर 85,052.46 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 99.80 अंक यानी 0.38 प्रतिशत नीचे 26,042.30 अंक पर रहा.

यह लगातार दूसरा दिन है जब बाजार में गिरावट में रही है. डॉलर की तुलना में रुपये में नरमी का दबाव शेयर बाजारों पर भी देखा गया. मझौली और छोटी कंपनियों में भी बिकवाली हावी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.38 प्रतिशत फिसल गया. स्मॉलकैप-100 सूचकांक भी 0.08 फीसदी टूटा. आईटी, ऑटो, मीडिया, स्वास्थ्य और फार्मा समूहों के सूचकांक गिरकर बंद हुए.

> सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयर करीब डेढ़ फीसदी टूट गये. टीसीएस, इटरनल, सनफार्मा और टेक महिंद्रा के शेयर भी एक प्रतिशत से अधिक गिरे. पावरग्रिड, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, आईसीआईसीआई बैंक,आटीसी, अडानी पोर्ट्स और टाटा स्टील में भी गिरावट रही. टाइटन का शेयर दो प्रतिशत से अधिक चढ़ा. एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनीलिवर में भी तेजी रही.

डीआरएम ने किया साबरमती पालनपुर सेक्शन का निरीक्षण

अहमदाबाद,25 दिसंबर. गुजरात में रेल संरक्षा एवं विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर भारतीय रेलवे द्वारा रेल संरक्षा तथा आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में को पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वेद प्रकाश ने वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ साबरमती-कलोल-महेसाणा-पालनपुर रेल खंड का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साबरमती से पालनपुर के बीच रेलवे ट्रैक, लेवल क्रॉसिंग, छोटे एवं प्रमुख पुलों, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग, सेक्शन के कर्व्स, क्रॉसिंग तथा विभिन्न संरक्षा मानकों की गहन समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों के साथ संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

निरीक्षण के दौरान साबरमती-कलोल खंड के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग संख्या 240 (पर चल रहे मरम्मत एवं संरक्षा कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। साथ ही कलोल रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रगति पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया।

रेलवे कॉलोनी की सुविधाओं का किया अवलोकन

डांगरवा यार्ड में पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग (पीएंडसी) तथा स्विच एक्सपेंशन जॉइंट्स (एसईजे) का निरीक्षण किया गया तथा कर्व संख्या 116 की संरक्षा जांच की गई। इसके अतिरिक्त प्रमुख पुल संख्या 965 (कॉम्पोजिट गर्डर) का निरीक्षण किया गया। खारी नदी पर कार्यरत पी-वे गैंग का निरीक्षण करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने गैंगमैनों से संवाद किया और उपयोग किए जा रहे सेफ्टी उपकरणों की जानकारी ली। महेसाणा स्टेशन के निरीक्षण के दौरान आरपीएफ पोस्ट की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा रेलवे हेल्थ यूनिट का निरीक्षण कर उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं का जायजा लिया गया। इसके साथ ही रेलवे कॉलोनी की सुविधाओं का अवलोकन किया गया और स्टेशन परिसर में नव विकसित पार्क का भी निरीक्षण किया गया।

भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमानों से कहीं बेहतर होगी : गोल्डमैन

नई दिल्ली, 26 दिसंबर. वैश्विक स्तर पर काम करने वाले अमेरिका के निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स के एक ताजा अनुमान के अनुसार भारत अगले दो वर्ष तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा और देश की वृद्धि की रफ्तार वैश्विक स्तर पर लगाये जा रहे अनुमानों से बेहतर होगी.

इस प्रतिष्ठित बैंकिंग की शुक्रवार को प्रकाशित मैक्रोइकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वास्तविक (स्थिर कीमत पर) वृद्धि 6.7 प्रतिशत और 2027 में 6.8 प्रतिशत रह सकती है. यह धीमी पड़ रही वैश्विकअर्थव्यवस्था के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ते जुझारूपन और संरचनात्मक शक्ति को दिखाता है. रिपोर्ट के अनुसार भारत की वृद्धि के बारे में ये अनुमान अधिकांश विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी ऊपर हैं. भारत से इस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद ऐसे समय में है जबकि कड़ी वित्तीय स्थितियों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और लगातार व्यापार बाधाओं के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि धीमी होने के आसार हैं.

भारत के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात में तेज उछाल

राउंडअप 2025

नई दिल्ली, 26 दिसंबर. अमेरिका तथा यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजार के लिए निर्यात में तेज बढ़ोतरी की बदौलत इस वर्ष नवंबर में देश के इंजीनियरिंग निर्यात में 23.76 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की गयी. भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी-इंडिया) के गुरुवार को जारी एक विश्लेषण के मुताबिक नवंबर के आंकड़ों में सुधार यूरोप और अमेरिकी बाजारों में निर्यात में तेजी के साथ साथ एक साल पहले के तुलनात्मक निम्न आधार के प्रभाव का भी हाथ है.

अक्टूबर में इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात एक साल पहले की तुलना में 17 प्रतिशत घटकर 9.37 अरब डॉलर के चालू वित्त वर्ष के न्यूनतम स्तर पर आ गया था. नवंबर 2025 में यह बढ़ कर 11.01 अरब डॉलर हो गया, जो इस वित्त वर्ष का अब तक का सर्वोच्च मासिक स्तर है. यह नवंबर 2024 के 8.90 अरब डॉलर की तुलना में 23.76 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है.

ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा, नवंबर 2025 में इंजीनियरिंग निर्यात ने चालू वित्त वर्ष में पहली बार 11 अरब डॉलर का आंकड़ा पार किया है. यह निर्यातक समुदाय के अथक प्रयासों का प्रमाण है, जिसने अक्टूबर 2025 में 17 प्रतिशत सालाना गिरावट के बाद तेज़ी से स्थिति में सुधार किया है. इंजीनियरिंग निर्यात की वृद्धि कहानी वैश्विक व्यापार में सकारात्मक रुझान को दर्शाती है. हाल ही में प्रकाशित अंकटाड के व्यापार के रुझानों पर जारी -ट्रेड अपडेट के अनुसार, 2025 की दूसरी छमाही में वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक व्यापार में वृद्धि जारी रही और इसके 2024 की तुलना में लगभग 7 प्रतिशत बढ़कर पहली बार 35000 अरब अमेरिकी डॉलर को पार करने की उम्मीद है.

ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष ने केंद्र सरकार द्वारा हाल में निर्यात संवर्धन मिशन को मंजूरी दिए जाने की सराहना करते हुए यह भी कहा कि ओमान और न्यूज़ीलैंड के साथ हाल में संपन्न व्यापार समझौते इंजीनियरिंग निर्यात को और गति देंगे.

> ईईपीसी ने कहा है कि भारत से निर्यात की जाने वाली 34 उत्पाद श्रेणियों में से 32 के नवंबर के निर्यात में में साल-दर-साल आधार पर अधिक निर्यात दर्ज किया. इस दौरान मोटर वाहन/कारें, जहाज़, नौकाएँ और तैरते ढांचे, कृषि, डेयरी आदि के लिए औद्योगिक मशीनरी, विद्युत मशीनरी एवं उपकरण तथा तांबा और तांबे से बने उत्पाद जैसे खंडों का प्रदर्शन विशेष रूप से अच्छा रहा. ईईपीसी इंडिया के अनुसार अमेरिका और यूरोपीय संघ भारत के निर्यात के लिए दो प्रमुख बाजार हैं, जहां निर्यात में नवंबर में उल्लेखनीय उछाल देखा गया. जहां सितंबर और अक्टूबर 2025 में अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात में क्रमशः 9.4 प्रतिशत और 14.5 प्रतिशत की सालाना गिरावट तथा नवंबर 2024 में 11.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी. इसी तरह यूरोपीय संघ को इंजीनियरिंग निर्यात भी पिछले दो महीनों की गिरावट के बाद नवंबर में 39 प्रतिशत बढ़ा.

एलआईसी की ग्रामीण भारत में पहुंच बढ़ी

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

नई दिल्ली, 26 दिसंबर. सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा निगम ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बीमा पहुंच को मजबूत करने के लिए सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ एक रणनीतिक सहयोग की घोषणा की है.

इस सहयोग के तहत कानोरिया फाउंडेशन की कंपनी सहज का सहायक डिजिटल सेवा नेटवर्क एलआईसी के जीवन बीमा उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच को सुगम बनायेगा. इससे लोगों को पॉलिसियों के बारे में समझने, पॉलिसी लेने और उसके प्रबंधन में मदद मिलेगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां बीमा के प्रति जागरूकता पारंपरिक रूप से कम रही है. एलआईसी के क्षेत्रीय प्रबंधक सौमेंद्रनाथ बंदोपाध्याय ने कहा, एलआईसी हमेशा समाज के हर वर्ग तक जीवन बीमा सुरक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है. सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के साथ हमारा यह सहयोग हमें ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में और गहराई तक पहुंचने में मदद करेगा.

> सहज इंश्योरेंस सर्विसेज के निदेशक बिस्वजीत चटर्जी ने कहा, एलआईसी के साथ यह सहयोग बीमा तक पहुंच को सार्वभौम बनाने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है. एलआईसी की विश्वसनीय विरासत को अंतिम छोर तक पहुंच और सहायक डिजिटल मॉडल के साथ जोड़कर, हमारा लक्ष्य बीमा को सरल, अधिक सुलभ और वास्तव में समावेशी बनाना है. सहज इंश्योरेंस सर्विसेज सहज रिटेल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और कानोरिया फाउंडेशन की पहल का हिस्सा है.

स्थानीय निवासियों ने टाटा स्टील से मांगा 1.4 अरब यूरो का जुर्माना

मुंबई, 26 दिसंबर. नीदरलैंड के वेल्सन-नूरड के निवासियों ने टाटा स्टील पर स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए 1.4 अरब यूरो (लगभग 148 अरब रुपये) के हर्जाने की मांग के लिए मुकदमा दायर किया है. टाटा स्टील ने गुरुवार देर रात शेयर बाजारों को बताया कि नेल्सन-नूर्ड के निवासियों के संगठन स्टिचिंग फ्रिस विंड.एनयू (एसएफडब्ल्यू) ने हारलेम स्थित उत्तरी हॉलैंड की जिला अदालत में यह मुकदमा दायर किया है.

टैरिफ की मार के बाद 2026 में भारत को मिलेगा बड़ा मौका

नई, दिल्ली, 26 दिसंबर. वैश्विक व्यापार व्यवस्था एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है. वर्ष 2025 को ऊंचे टैरिफ, टूटी हुई सप्लाई चेन और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के लिए याद किया जाएगा.

इसी उथल-पुथल के बीच 2026 को एक ऐसे साल के रूप में देखा जा रहा है, जहां देश नई व्यापार वास्तविकताओं के साथ तालमेल बैठाने की कोशिश करेंगे. एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, यह संक्रमणकाल भारत के लिए जोखिम के साथ-साथ बड़े अवसर भी लेकर आ सकता है. मजबूत घरेलू बुनियाद के दम पर भारत वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका और मजबूत कर सकता है. एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिहाज से 2025 एक ऐसा साल रहा, जब ऊंचे टैरिफ और बाधित सप्लाई चेन ने देशों की आर्थिक नीतियों को नए सिरे से परिभाषित किया.

समाचार विशेष

ठाकुरों के बाद 52 ब्राह्मण विधायकों की मीटिंग

उप्र की सियासत में हड़कंप, राजनैतिक पारा चढ़ा

लखनऊ. उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है और सभी दलों के विधायक राजधानी लखनऊ में मौजूद हैं. इसी बीच, सत्ता पर काबिज भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की गोलबंदी ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है. मंगलवार शाम बीजेपी और अन्य दलों के लगभग 52 ब्राह्मण विधायक और विधान परिषद सदस्य एक जगह एकत्रित हुए और बंद कमरे में सहभोज के रूप में बैठक की.

यह आयोजन कुशीनगर के विधायक पंचानंद पाठक (पीएन पाठक) के आवास पर हुआ. इसमें मुख्य रूप से पूर्वांचल और बुंदेलखंड के विधायक शामिल हुए. मिर्जापुर नगर विधानसभा से विधायक रत्नाकर मिश्रा ने बताया कि यह केवल एक सहभोज था, कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी. सहभोज में मिर्जापुर नगर से रत्नाकर मिश्रा के साथ शलभमणि त्रिपाठी और एमएलसी उमेश द्विवेदी भी मौजूद रहे. सभी विधायक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीबी माने जाते हैं.

> **ठाकुर विधायकों का भी हुआ था जुटान**
>
> यूपी विधानसभा के पिछले मॉनसून सत्र के दौरान भी ऐसे आयोजन हुए थे. उस समय ठाकुर विधायकों का जुटान आयोजित किया गया था, जिसे कुटुंब नाम दिया गया. उसमें बीजेपी के साथ ही अन्य दलों के ठाकुर विधायक भी शामिल हुए थे. उस आयोजन को पारिवारिक मिलन बताया गया था. इस शीतकालीन सत्र में हुए ब्राह्मण विधायकों का सहभोज उसी तरह का एक आयोजन माना जा रहा है, जो पिछली घटना का जवाब भी है. सियासत में ऐसे आयोजनों से राजनीतिक चर्चा ज़रूर तेज होती है, लेकिन विधायकों का कहना है कि यह केवल सहभोज और पारिवारिक मिलन का आयोजन था, न कि किसी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा.

अब दक्षिण में परचम लहराना चाहेगी भाजपा

2026 में इन 2 राज्यों पर होगी खास नजर

SOUTH INDIA

नई दिल्ली. 2024 के लोकसभा चुनावों और 2025 में दिल्ली एवं बिहार में हुए विधानसभा चुनावों के बाद भारतीय राजनीति का रुख एक बार फिर साफ दिखाई देने लगा है. उत्तर भारत में अपनी मजबूत पकड़ को और पुख्ता करने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी की नजर देश के दक्षिणी राज्यों पर टिकी है.

खासतौर पर 2026 में होने वाले तमिलनाडु और केरल विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी ने अभी से रणनीतिक तैयारी शुरू कर दी है. ये दोनों राज्य लंबे समय से बीजेपी के लिए कठिन चुनौती बने रहे हैं और ये विपक्ष के सबसे मजबूत किले माने जाते हैं.

2025 में आए नतीजों से बढ़ा है आत्मविश्वास- 2025 बीजेपी के लिए राजनीतिक रूप से बेहद अहम साल रहा. इस साल हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी ने उत्तर भारत में अपनी स्थिति पहले से भी ज्यादा मजबूत कर ली. एक तरफ जहां बीजेपी ने दिल्ली की सत्ता में लंबे समय के बाद वापसी की, वहीं बिहार में अपनी स्थिति को और पुख्ता किया. वहीं, 2024 के अंतिम महीनों में हुए महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने धमाकेदार जीत दर्ज करके पहले ही अपनी स्थिति काफी पुख्ता कर ली थी. इन सारी जीतों ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि विरोधियों को यह संकेत भी दिया है कि पार्टी का संगठनात्मक ढांचा, चुनाव प्रबंधन और नेतृत्व अभी भी पूरी तरह प्रभावी है.

चुनावों में निष्क्रिय 12 दलों का पंजीकरण होगा रद

कौन-कौन सी पार्टियां हैं शामिल

ELECTIONS IN MY STATE

जम्मू. भारत निर्वाचन आयोग ने पिछले लंबे समय से निष्क्रिय पंजीकृत राजनीतिक दलों को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है. आयोग ने ऐसे दलों की डीलिस्टिंग की प्रक्रिया शुरू की है.

देश भर में निर्वाचन आयोग ने ऐसे 474 दलों को चिन्हित किया है जिनमें बारह राजनीति दल जम्मू कश्मीर के भी है, जिनकी अब तक चुनावों में न तो कोई सक्रियता नजर आई है और न ही उन्होंने निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन किया है. आयोग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, नियमों और वैधानिक शर्तों का पालन न करने वाले दलों को सूची से हटाया जा रहा है.

डीलिस्टिंग प्रक्रिया में शामिल दल- जारी सूची के अनुसार जम्मू-कश्मीर से जिन दलों के नाम डीलिस्टिंग प्रक्रिया में शामिल हैं, उनमें आल जेएंडके किसान मजदूर पार्टी, बैकवर्ड क्लासेज डेमोक्रेटिक पार्टी (जम्मू-कश्मीर), डुग्गर प्रदेश पार्टी, फ्रंट आफ रेवोल्यूशनाइज्ड क्रिएटिव एफर्ट्स, जम्मू एंड कश्मीर नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट, जम्मू कश्मीर पीपुल्स पार्टी (सेक्युलर), जम्मू कश्मीर सेव पार्टी, जम्मू स्टेट मोर्चा (प्रोग्रेसिव), कश्मीर डेवलपमेंट फ्रंट, नेचर मैनकाइंड फ्रेंडली ग्लोबल पार्टी, सेक्युलर पार्टी आफ इंडिया और सोशल मूवमेंट पार्टी शामिल हैं. निर्वाचन आयोग के अनुसार इन दलों द्वारा लंबे समय से आवश्यक दस्तावेज, लेखा-जोखा, चुनावी गतिविधियों की जानकारी और अन्य वैधानिक औपचारिकताओं का पालन नहीं किया गया, जिसके चलते यह सख्त कदम उठाया गया है.

विशेष
गठबंधन का किया ऐलान, महायुति की बढ़ी टेंशन

जिसका था इंतजार : अंतत : उद्धव-राज आए साथ

बुधवार, २४ डिसेंबर २०

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में करीब 20 साल बाद एक बड़ा और ऐतिहासिक मोड़ आया है. शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने साथ आने के बाद बुधवार को आखिरकार राजनीतिक गठबंधन का आधिकारिक ऐलान भी हो गया है.

मुंबई के होटल ब्ल्यू सी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे बंधुओं ने गठबंधन की अधिकृत घोषणा की. दोनों नेताओं के इस गठबंधन ने राज्य की सियासत में हलचल मचा दी है और इसे आगामी चुनावों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है.

उद्धव ठाकरे ने गठबंधन की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी विचारधारा एक जैसी है. उन्होंने कहा उन्हें मराठियों के संघर्षों और बलिदानों की याद है. उन्होंने आगे कहा कि आज हम दोनों भाई साथ हैं. हम साथ रहने के लिए एक साथ आए हैं. उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि दिल्ली में बैठे लोग उन्हें बांटने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस बार उन्हें बटना नहीं चाहिए, क्योंकि यह किए गए बलिदानों का अपमान होगा. दूसरी ओर, राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र और मुंबई किसी भी झगड़े से बड़े हैं. उन्होंने दोहराया कि आज दोनों भाई साथ हैं और सीट-शेयरिंग कोई मायने नहीं रखती. इससे पहले, ठाकरे भाई मुंबई के शिवाजी पार्क पहुंचे. उद्धव के साथ उनके बेटे आदित्य ठाकरे थे, और राज ठाकरे के साथ उनके बेटे अमित ठाकरे थे. पूरा ठाकरे परिवार एक साथ शिवाजी पार्क पहुंचा.

> **पूरा बालासाहेब ठाकरे परिवार एक साथ**
>
> संजय राउत ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण दिन है. पूरा बालासाहेब ठाकरे परिवार एक साथ आ रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि यह एक पारिवारिक मिलन होने के साथ-साथ एक राजनीतिक गठबंधन भी है. इससे हमें बीएमसी और दूसरे नगर निगम चुनावों में बहुत फायदा होगा. उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे बीएमसी चुनाव जीतने वाले हैं.